Template For Programme Information(PG)

PG	
Name of the Programme	एम.ए. हिंदी
Scheme of the programme	

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - I							
मूल पाठ्यक्रम (Core Course)							
MAH-101	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-102	आधुनिक हिंदी कविता	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-103	हिंदी उपन्यास	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-104	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	4	80	20	100	3 घंटे
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course) विशिष्ट अध्ययन (निम्नलिखित में से कोई एक)							
MAH-105-(i)	भारतेंदु हरिश्चंद्र	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-105-(ii)	बालमुकुंद गुप्त	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-105-(iii)	प्रेमचंद	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-105-(iv)	जयशंकर प्रसाद	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-105-(v)	निराला	4	4	80	20	100	3 घंटे
सेमेस्टर - II							
मूल पाठ्यक्रम (Core Course)							
MAH-201	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-202	छायावादोत्तर हिंदी कविता	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-203	हिंदी नाटक	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-204	हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार	4	4	80	20	100	3 घंटे
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course) विशिष्ट अध्ययन (निम्नलिखित में से कोई एक)							
MAH-205-(i)	अज्ञेय	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-205-(ii)	मुक्तिबोध	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-205-(iii)	हजारीप्रसाद द्विवेदी	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-205-(iv)	भीष्म साहनी	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-205-(v)	मोहन राकेश	4	4	80	20	100	3 घंटे
मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course)							
MAH-206	हिंदी भाषा के विविध अनुप्रयोग	2	2	40	10	50	2 घंटे
सेमेस्टर - III							
मूल पाठ्यक्रम (Core Course)							
MAH-301	भारतीय साहित्यशास्त्र	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-302	मध्यकालीन हिंदी कविता	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-303	हिंदी कहानी	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-304	भारतीय साहित्य	4	4	80	20	100	3 घंटे
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course) विशिष्ट अध्ययन (निम्नलिखित में से कोई एक)							
MAH-305-(i)	कबीरदास	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-305-(ii)	मलिक मुहम्मद जायसी	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-305-(iii)	सूरदास	4	4	80	20	100	3 घंटे

MAH-305-(iv)	तुलसीदास	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-305-(v)	बिहारी	4	4	80	20	100	3 घंटे
मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course)							
MAH-306	सृजनात्मक लेखन	2	2	40	10	50	2 घंटे
सेमेस्टर - IV							
मूल पाठ्यक्रम (Core Course)							
MAH-401	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-402	हिंदी निबंध और आलोचना	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-403	हिंदी: आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र और संस्मरण	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-404	अनुवाद और शोध-प्रविधि	4	4	80	20	100	3 घंटे
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course) विशिष्ट अध्ययन (निम्नलिखित में से कोई एक)							
MAH-405-(i)	दलित विमर्श और साहित्य	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-405-(ii)	स्त्री विमर्श और साहित्य	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-405-(iii)	आदिवासी विमर्श और साहित्य	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-405-(iv)	लोक साहित्य	4	4	80	20	100	3 घंटे
MAH-405-(v)	विश्व साहित्य (हिंदी में अनुदित)	4	4	80	20	100	3 घंटे
कुल कोर्स 22	मूल पाठ्यक्रम - 16 ऐच्छिक पाठ्यक्रम - 04 मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम - 02	84		1680	420	2100	

Syllabus

सेमेस्टर - I

MAH-101-हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित करवाना। इतिहास दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 इतिहास व साहित्येतिहास लेखन के महत्व व उसके लेखन की प्रक्रिया का परिचय होगा।

101.2 हिंदी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आंदोलनों की जानकारी होगी।

101.3 मध्यकाल के विभिन्न संप्रदायों की दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान होगा।

101.4 भारतीय इतिहास के परिवर्तनों व उसके हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान होगी।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक एक आलोचनात्मक प्रश्न दिया जायेगा। विद्यार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक 12 अंकों का होगा। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 24 अंक का होगा।

- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

इकाई -1. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं और आवश्यकता, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि और परिवेश, आदिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं - दरबारी, धार्मिक, लौकिक, आदिकालीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएं - (सरहपा, गोरखनाथ, पुष्पदंत, अमीर खुसरो, विद्यापति)

इकाई -2. भक्ति आंदोलन : पृष्ठभूमि और परिवेश, भक्ति आंदोलन और सांस्कृतिक चेतना, हिन्दी निर्गुणकाव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि; सन्तकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि - (कबीर, नानक, दादू, रैदास); हिन्दी सूफीकाव्य का वैचारिक पृष्ठभूमि; सूफी काव्य और भारतीय संस्कृति व लोक जीवन
सूफीकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि (मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, जायसी)

इकाई -3. हिन्दी सगुणकाव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि; रामकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियां एवं प्रमुख कवि तुलसीदास; हिन्दी कृष्णकाव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं विविध सम्प्रदाय; कृष्णकाव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि (सूरदास, मीरा)

इकाई -4. रीतिकाल : पृष्ठभूमि एवं परिवेश, रीति कवियों का आचार्यत्व, रीतिबद्ध काव्य : सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि (केशव, चिन्तामणि, मतिराम, भूषण, देव, पद्माकर), रीतिसिद्ध काव्य : सामान्य प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि (बिहारी), रीतिमुक्त काव्य: सामान्य प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि (घनानन्द, आलम, बोधा, ठाकुर)

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH -101	101.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3
	101.2	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2	3	3
	101.3	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3

	101.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	Average	3	3	3	3	3	2	2.5	3	3	2.75	2.75	3

सहायक पुस्तकें

- साहित्येतिहासः संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थम कानपुर, 1975
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1961
- हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई, 1963
- हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, 1960
- हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
- हिन्दी साहित्य का इतिहास (स. नगेन्द्र), नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1973
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
- हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास, रामप्रसाद मिश्र, साहित्य भण्डार
- साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय
- हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं - अवधेश प्रधान
- भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य - शिवकुमार मिश्र
- हिंदी काव्यधारा - राहुल सांकृत्यायन

MAH-102-आधुनिक हिंदी कविता

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक कविता से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

102.1 आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि की जानकारी।

102.2 आधुनिक हिंदी कविता संवेदना, शिल्प, सामाजिक सरोकारों से परिचय।

102.3 आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न कवियों के काव्य वैशिष्ट्य का बोध।

102.4 आधुनिक हिंदी कविता का नवजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधों का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किंही दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए

12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।

- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या व आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

- मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग - आरंभ से लेकर 'उलट गई श्यामा यहां रिक्त सुधाकर-पात्र' तक)
- जयशंकर प्रसाद : कामायनी ((चिंता, श्रद्धा, इड़ा)
- निराला : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति)

(ख) द्रुत पाठ के लिए

(भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालमुकुंद गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', रामनरेश त्रिपाठी, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, माखनलाल चतुर्वेदी)

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH -102	102.1	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	102.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	102.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	102.4	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	Average	3	3	3	2.5	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- छायावाद - नामवर सिंह

- जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
- कामायनी : एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध
- कवि निराला - नंद दुलारे वाजपेयी
- निराला : आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
- निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा
- आधुनिक हिंदी कविता का बिंब विधान- केदारनाथ सिंह
- आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- महादेवी की कविताः संशय और समाधान - ब्रजलाल गोस्वामी
- पंत का स्वच्छंदतावादी काव्य - राजेंद्र गौतम
- हिंदी में छायावाद - मुकुटधर पांडेय
- आधुनिक हिंदी कविता में बिंबविधान - केदारनाथ सिंह
- राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- मैथिलीशरण गुप्त - रेवती रमण
- मैथिलीशरण गुप्त - नंदकिशोर नवल
- स्त्री संदर्भ में महादेवी - सुधा सिंह

MAH-103-हिंदी उपन्यास

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी उपन्यास से परिचित करवाना। कथा साहित्य के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

103.1 हिंदी उपन्यास की समझ विकसित होगी।

103.2 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की उपन्यासों में उपस्थिति का बोध।

103.3 हिंदी उपन्यासों की विशिष्टता का बोध।

103.4 हिंदी उपन्यासों की संरचना व शिल्प का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **पाठ बोध :** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये

जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। इस खंड के लिए 36 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा। का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या, पाठ बोध व आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

उपन्यास - प्रेमचंद - गोदान

फणीश्वरनाथ रेणु - मैला आंचल

मैत्रेयी पुष्पा - विजन

(ख) द्रुत पाठ के लिए

उपन्यास (लाला श्रीनिवास दास - परीक्षा गुरु, यशपाल-झूठा सच, अमृतलाल नागर - मानस का हंस, भीष्म साहनी - तमस, जगदीश चंद्र - धरती धन न अपना, श्रीलाल शुक्ल - रागदरबारी, मन्नू भंडारी - आपका बंटी, काला पहाड़ - भगवानदास मोरवाल)

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH-103	103.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	103.2	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	103.3	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3	3
	103.4	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3	3	3
	Average	3	3	2.75	2.75	3	2.5	2.5	3	3	3	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- प्रेमचंद और उनका युग - डा. रामविलास शर्मा
- प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी
- फणीश्वरनाथ रेणु का साहित्य - अंजलि तिवारी
- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र
- हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
- हिंदी कथा साहित्य - गोपाल राय
- मैला आंचल का महत्व - संपा. मधुरेश

MAH-104-भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भाषा व भाषा विज्ञान सिद्धांतों से परिचित कराना। हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

104.1 भाषाविज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी मिलेगी।

104.2 भाषायी अध्ययन और साहित्य के भाषायी अध्ययन में मदद मिलेगी।

104.3 हिंदी भाषा के विकास व उसकी बोलियों का ज्ञान होगा

104.5 हिंदी भाषा के विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित होंगे।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न दिया जायेगा। प्रत्येक 12 अंकों का होगा। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 24 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

इकाई -1. भाषा : परिभाषा, प्रकृति और विशेषताएं; भाषा और मानव संस्कृति; भाषा और संप्रेषण; भाषा परिवर्तन : कारण और दिशाएं; भाषा विज्ञान : स्वरूप व अध्ययन क्षेत्र; भाषा विज्ञान की शाखाएं; भाषा और शिक्षा का माध्यम।

इकाई - 2 . हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था (हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार); हिन्दी की शब्द रचना उपसर्ग, प्रत्यय; हिंदी भाषा का लिंग आधारित समाजवैज्ञानिक अध्ययन; हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप; हिन्दी वाक्य-रचना (पदक्रम और अन्विति)

इकाई -3. पाणिनी की भाषा संबंधी प्रमुख स्थापनाएं; फर्दिनान्द द सॉस्यूर की भाषा संबंधी प्रमुख स्थापनाएं; नॉम चोम्स्की की भाषा संबंधी प्रमुख स्थापनाएं; माइकल हॉलिडे की भाषा संबंधी प्रमुख स्थापनाएं

इकाई -4. हिंदी भाषा का विकास; खड़ी बोली नवजागरण काल; राष्ट्रीय आंदोलन और हिंदी भाषा। हिन्दी की बोलियां; हिंदी भाषा के विविध रूप (सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, और सम्पर्क भाषा); हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; कार्यालयी हिंदी (प्रारूपण, पत्र-लेखन, पल्लवन, टिप्पण, ईमेल)

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH -104	104.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3
	104.2	3	3	2	3	3	2	3	3	3	2	3	3
	104.3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	104.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	Average	3	3	2.25	3	3	2.5	2.75	3	3	2.25	3	3

सहायक पुस्तकें

- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 1997
- आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह एवं चतुर्भज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1997
- भाषाविज्ञान, भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1997
- हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

- भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा
- हिन्दी भाषा : उद्‌गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1997
- हिन्दी : उद्भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965
- देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1976
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
- प्रयोजनमूलक हिंदी - दंगल झाल्टे
- भाषा आंदोलन - सेठ गोबिंददास, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग
- भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
- भारतीय आर्य भाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी

MAH-105-(i)-भारतेंदु हरिश्चंद्र

क्रेडिट - 4 | **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, | **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्‌देश्य

भारतेंदु हरिश्चंद्र के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

105.1 भारतेंदु हरिश्चंद्र के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।

105.2 भारतेंदु हरिश्चंद्र के हिंदी भाषा के निर्माण व साहित्यिक अवदान की समझ।

105.3 भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक, पत्रकारिता, काव्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

105.4 नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : भारतेंदु हरिश्चंद्र के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा।

यह खंड कुल 8 अंक का होगा।

- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

भारतेंदु हरिश्चंद्र का जीवन और साहित्य; भारतेंदु हरिश्चंद्र का साहित्य और राष्ट्रवाद; भारतेंदु हरिश्चंद्र और नवजागरण; भारतेंदु हरिश्चंद्र का साहित्य और नारी; भारतेंदु हरिश्चंद्र का साहित्य चिंतन; भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी पत्रकारिता; भारतेंदु हरिश्चंद्र का भाषा चिंतन; भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनके नाटक; भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनके निबंध; भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनका रंगकर्म; भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटकों की रंगमंचीयता; भारतेंदु हरिश्चंद्र के साहित्य की प्रासंगिकता; भारतेंदु हरिश्चंद्र का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव; भारतेंदु हरिश्चंद्र का सामाजिक-राजनीतिक चिंतन; भारतेंदु हरिश्चंद्र और अंग्रेजी शासन; भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनका मण्डल; भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनकी कविता।

(ख) व्याख्या व पाठ बोध के लिए

नाटक - अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH -105-(i)	105.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	105.2	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	105.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	105.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.75	3	2.25	3

सहायक पुस्तकें

- भारतेंदु हरिश्चंद्र - रामविलास शर्मा
- भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा - रामविलास शर्मा
- भारतेन्दु का नाट्य साहित्य- डॉ विरेन्द्र कुमार

- भारतेन्दु का गद्य साहित्यः समाजशास्त्रीय अध्ययन- डॉ. कपिलदेव दुबे
- भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन- डॉ. गोपीनाथ तिवारी
- भारतेन्दु के निबन्ध- डॉ. केसरी नारायण शुक्ल
- भारतेन्दु युग का नाट्य साहित्य और रंगमंच- डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसार
- भारतेन्दु युग की शब्द सम्पदा- डॉ. जसपाली चौहान
- भारतेन्दु साहित्य- डॉ. रामगोपाल चौहान
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र- बाबू ब्रजरत्न दास
-

MAH-105-(ii)-बालमुकुंद गुप्त

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

बालमुकुंद गुप्त के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

105.1 बालमुकुंद गुप्त के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।

105.2 बालमुकुंद गुप्त के हिंदी भाषा के निर्माण व साहित्यिक अवदान की समझ।

105.3 बालमुकुंद गुप्त के पत्रकारिता, काव्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

105.4 नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध :** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** बालमुकुंद गुप्त के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case

study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

बालमुकुंद गुप्त का जीवन और साहित्य; बालमुकुंद गुप्त और उनके समकालीन; बालमुकुंद गुप्त और उनका परिवेश; नवजागरण के अग्रदूत बालमुकुंद गुप्त; बालमुकुंद गुप्त की किसान चेतना; बालमुकुंद का साहित्य और लोकजीवन; निबंधकार बालमुकुंद गुप्त; व्यंग्यकार बालमुकुंद गुप्त; समाज सुधारक बालमुकुंद गुप्त; कवि बालमुकुंद गुप्त; बाल साहित्यकार बालमुकुंद गुप्त; समाज सुधारक बालमुकुंद गुप्त; भाषाविद् बालमुकुंद गुप्त; बालमुकुंद गुप्त की भाषा-शैली

(ख) व्याख्या के लिए

स्फुट कविताएं - (सर सैयद का बुढ़ापा; वसंतोत्सव; वसंत; रेलगाड़ी; विधवा विवाह;प्लेग की भूतनी; बिकट बिरहनी; होली है; जोगीड़ा; टेसू; कविता की उन्नति; पोलिटिकल होली; कर्जनाना; पंजाब में लायल्टी)

(ग) पाठ बोध के लिए

शिवशंभु के चिट्ठे - (वैसराय का कर्तव्य, पीछे मंत फेंकिये, बंग-विच्छेद), हंसी-खुशी, हिंदी की उन्नति, हिंदी भाषा की भूमिका।

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome										1		
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome										2		
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome										3		
Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH -105-(ii)	105.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	105.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	105.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	105.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- बालमुकुंद रचनावली (भाग 2,3,4), सं. के.सी. यादव, हरियाणा इतिहास एवं संस्कृत अकादमी।
- बालमुकुंद गुप्त निबंधावली, झाबरमल शर्मा व बनारसीदास चतुर्वेदी, गुप्त स्मारक ग्रंथ प्रकाशन समिति,

कलकत्ता

- बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली - नत्थन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला।
- बालमुकुंद गुप्तः संकलित निबंध, कृष्णदत्त पालीवाल, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत, दिल्ली।
- बालमुकुंद गुप्त, मदन गोपाल, साहित्य अकादमी, प्रकाशन, दिल्ली।
- बालमुकुंद गुप्तः जीवन, सृजन और मूल्यांकन, सं. प्रोफेसर सुभाष चंद्र,
- बाल साहित्यकारः बालमुकुंद गुप्त, सं. प्रोफेसर सुभाष चंद्र,
- देस हरियाणा(अंक-26, बालमुकुंद गुप्त विशेषांक) -सं. सुभाष चंद्र, कुरुक्षेत्र।

MAH-105-(iii)-प्रेमचंद

क्रेडिट - 4 | **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, | **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रेमचंद के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

105.1 प्रेमचंद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।

105.2 प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान की समझ।

105.3 प्रेमचंद के कथा सरोकारों व मूल्यों का बोध।

105.4 नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध :** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** प्रेमचंद के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

प्रेमचंद का जीवन और साहित्य; प्रेमचंद साहित्य और आदर्श व यथार्थ; प्रेमचंद साहित्य और किसान; प्रेमचंद साहित्य और राष्ट्रवाद; प्रेमचंद और गांधीवाद; प्रेमचंद और साम्राज्यवाद; प्रेमचंद साहित्य और सांप्रदायिक सद्भाव; प्रेमचंद साहित्य और नारी; प्रेमचंद साहित्य और दलित प्रश्न; प्रेमचंद साहित्य का साहित्य चिंतन; प्रेमचंद का साहित्य पर प्रभाव; प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता; प्रेमचंद की भाषा-शैली; पत्रकार प्रेमचंद; निबंधकार प्रेमचंद; उपन्यासकार प्रेमचंद; कहानीकार प्रेमचंद; नाटककार प्रेमचंद

(ख) व्याख्या के लिए

कहानियां (पूस की रात; कफन; ठाकुर का कुंआ; सवा सेर गेहूं; सद्गति; शतरंज के खिलाड़ी; बड़े भाई साहब; ईदगाह; रामलीला; लाटरी; दो बैलों की कथा; पंच परमेश्वर; गुल्ली डंडा; तेतर, समर यात्रा; नशा)

(ग) पाठ बोध के लिए

निबंध - (साहित्य का उद्देश्य; बच्चों को स्वाधीन बनाओ; मानसिक पराधीनता; उर्दू, हिंदी, हिंदुस्तानी; सांप्रदायिकता और संस्कृति; स्वराज्य के फायदे; महाजनी सभ्यता)

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH -105- (iii)	105.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	105.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	105.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	105.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- प्रेमचंद घर में - शिवरानी देवी
- प्रेमचंद : एक विवेचन - इंद्रनाथ मदान
- प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
- प्रेमचंद एवं भारतीय किसान - रामबक्ष

- प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व - जैनेंद्र
- प्रेमचंद : चिंतन और कला - इंद्रनाथ मदान
- प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी
- प्रेमचंद - गंगा प्रसाद विमल
- प्रेमचंद : कलम का सिपाही - अमृतराय
- प्रेमचंद के विचार - प्रेमचंद
- प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान - कमल किशोर गोयनका
- प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन
- प्रेमचंद और भारतीय किसान- रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1983
- प्रेमचंद की किसानी कहानियां - अमित मनोज

MAH-105-(iv)-जयशंकर प्रसाद

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

जयशंकर प्रसाद के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

105.1 जयशंकर प्रसाद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।

105.2 जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक अवदान की समझ।

105.3 जयशंकर प्रसाद के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

105.4 नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : जयशंकर प्रसाद के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।

- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

जयशंकर प्रसाद का जीवन और साहित्य; जयशंकर प्रसाद का साहित्य और राष्ट्रवाद ; जयशंकर प्रसाद का साहित्य और नारी; जयशंकर प्रसाद का साहित्य चिंतन; जयशंकर प्रसाद का जीवन दर्शन; जयशंकर प्रसाद और भारतीय इतिहास; कवि जयशंकर प्रसाद; नाटककार जयशंकर प्रसाद; कहानीकार जयशंकर प्रसाद

(ख) व्याख्या के लिए

नाटक - चंद्रगुप्त

(ग) पाठ बोध के लिए

कहानियां - (गुंडा; आंधी; बिसाती; मधुआ; आकाशदीप; पुरस्कार)

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH -105-(iv)	105.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	105.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	105.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	105.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
- नया साहित्य : नये प्रश्न - नंददुलारे वाजपेयी
- जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला - रामेश्वर खंडेलवाल
- प्रसाद का काव्य- प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1961
- कामायनीः एक सह-चिन्तन, वचनदेव कुमार एवं दिनेश्वर प्रसाद, क्लासिक पब्लिशिंग कंपनी
- कामायनी-अनुशीलन - रामलाल सिंह, इण्डियन प्रैस, लिमिटेड, प्रयाग, 1975

- प्रसाद का साहित्य- प्रभाकर श्रोत्रिय, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1975
- जयशंकर प्रसाद- रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1977
- प्रसाद का गद्य साहित्य- राजमणि शर्मा, आत्माराम एंड सन्स, 1982
- प्रसाद : नाट्य और रंगमंच - गोबिन्द चातक, भारती प्रकाशन
- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - जगन्नाथ प्रसाद मिश्र
- जयशंकर प्रसाद - रमेश चंद्र शाह

MAH-105-(v)-सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

क्रेडिट - 4	**कुल अंक 100**
समय 3 घंटे,	**परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

105.1 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।

105.2 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के साहित्यिक अवदान की समझ।

105.3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

105.4 नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : निराला के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ

के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

निराला का जीवन और साहित्य; निराला साहित्य और राष्ट्रवाद; निराला साहित्य और नारी; निराला का साहित्य चिंतन; निराला और नवजागरण; निराला और राष्ट्रीय आंदोलन; निराला का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव; निराला के साहित्य की प्रासंगिकता; कवि निराला; उपन्यासकार निराला; कहानीकार निराला; निबंधकार निराला।

(ख) व्याख्या के लिए

कविताएं - (जुही की कली; जागो फिर एक बार; बादल राग; तोड़ती पत्थर; स्नेह निर्झर बह गया है; जल्द जल्द पैर बढ़ाओ; झींगुर डटकर बोला; राजे ने अपनी रखवाली की; चर्खा चला ; कुकुरमुत्ता, बांधो न नाव इस ठांव बंधु)

(ग) पाठ बोध के लिए

उपन्यास - बिल्लेसुर बकरिहा

Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome											1		
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome											2		
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome											3		
Course Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4	PSO 5	PSO 6
MAH -105- (v)	105.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	105.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	105.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	105.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- महाकवि निराला - नंद दुलारे वाजपेयी
- निराला एक आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
- निराला की साहित्य साधना(भाग 1-3) - रामविलास शर्मा
- छायावाद - नामवर सिंह
- निराला - परमानंद श्रीवास्तव
- क्रांतिकारी कवि निराला - बच्चन सिंह

- निराला के पत्र - जानकी वल्लभ शास्त्री
- अनकहा निराला - जानकी वल्लभ शास्त्री
- हिंदी में छायावाद - मुकुटधर पांडेय
- महाकवि निरालाः काव्यकला- डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
- महाप्राण निराला- गंगाप्रसाद पाण्डेय, साहित्यकार परिषद, प्रयाग
- महाकवि निराला - काव्यकला - विश्वम्भरनाथ उपाध्याय

सेमेस्टर - II

MAH-201-हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के इतिहास से परिचित करवाना। इतिहास दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 आधुनिक काल की हिंदी कविता के विकास का परिचय।

201.2 आधुनिक हिंदी भाषा के निर्माण, हिंदी गद्य के उद्भव व विकास का बोध।

201.3 आधुनिक काल के विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों की जानकारी होगी।

201.4 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के संकल्पों और परिवर्तनों की पहचान होगी।

परीक्षा के लिए निर्देश

प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **आलोचनात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक 12 अंकों का होगा। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 24 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।
-

पाठ्यक्रम

इकाई - 1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और परिवेश, भारतीय नवजागरण, 1857 की क्रांति, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का विकास, हिन्दी गद्य का उद्भव, भारतेंदु युगः प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकार, द्विवेदी युगः प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकार, राष्ट्रीय काव्यधाराः प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि

इकाई - 2 छायावादी काव्य : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, प्रगतिवादीः प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, प्रयोगवाद : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, नयी कविता : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि और, हिन्दी नवगीत : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, समकालीन कविता : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि

इकाई - 3 हिन्दी पत्रकारिता का विकास, हिन्दी उपन्यास का विकास और प्रमुख उपन्यासकार, हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानीकार, हिन्दी नाटक का विकास और प्रमुख नाटककार, हिन्दी निबंध का विकास और प्रमुख निबंधकार, हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक, हिंदी संस्मरण साहित्य का विकास, हिंदी रेखाचित्र साहित्य का विकास

इकाई - 4 हिंदी आत्मकथा का विकास, हिंदी जीवनी साहित्य का विकास, हिंदी डायरी साहित्य का विकास, हिंदी यात्रा साहित्य का विकास, हिंदी रिपोर्ताज साहित्य का विकास, स्त्री विमर्श और साहित्य का परिचय, दलित विमर्श और साहित्य का परिचय, आदिवासी विमर्श और साहित्य का परिचय, उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	201.1	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
_	201.2	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
	201.3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3	3
	201.4	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3	3
	Average	3	3	2.5	2.5	3	3	2	3	3	3	3

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
- हिन्दी साहित्य का इतिहास (सं. नगेन्द्र), नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1973
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - विजयमोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ

- आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- हिंदी उपन्यास - गोपाल राय
- हिंदी आलोचना - निर्मला जैन
- हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
- हिंदी उपन्यास - एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र
- हिंदी कहानीः प्रकृति और संदर्भ - देवीशंकर अवस्थी
- हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी नवगीतः उद्भव और विकास - राजेंद्र गौतम

MAH-202-छायावादोत्तर कविता

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**
समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक कविता से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

202.1 छायावादोत्तर हिंदी कविता की विभिन्न धाराओं की विशिष्टता की समझ।
202.2 छायावादोत्तर हिंदी कविता के प्रमुख हस्ताक्षरों की कविता से परिचय।
202.3 कविता अध्ययन की आलोचना की दृष्टि का विकास।
202.4 स्वतंत्रता के बाद की काव्य चेतना के विविध आयामों की समझ।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित दो व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

अज्ञेय - असाध्य वीणा

मुक्तिबोध - अंधेरे में

कुंवरनारायण - आत्मजयी (वाजश्रवा, नचिकेता, वाजश्रवा का क्रोध, नचिकेता का विषाद)

(ख) द्रुत पाठ के लिए

नागार्जुन - कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद।

त्रिलोचन - उस जनपद का कवि हूँ मैं, चम्पा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती, नगई महरा

शमशेर बहादुर सिंह - बात बोलेगी, अमन का राग, एक पीली शाम,

धूमिल - मोचीराम, रोटी और संसद, अकाल दर्शन।

रघुवीर सहाय - रामदास, आत्महत्या के विरुद्ध, स्वच्छन्द लेखक।

भवानी प्रसाद मिश्र - गीतफरोश, सतपुड़ा के जंगल।

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ne particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	202.1	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
-	202.2	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
	202.3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
	202.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	2.5	3	3	2.5	3	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
- आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव
- कवियों का कवि शमशेर - रंजना अरगड़े
- अज्ञेय और नई कविता -चंद्रकला त्रिपाठी
- साहित्य और समय - अवधेश प्रधान
- आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- मुक्तिबोध की रचना-प्रक्रिया - अशोक चक्रधर
- नागार्जुन की कविता - अजय तिवारी
- मुक्तिबोधः कविता और जीवन विवेक - चंद्रकांत देवताले

- समकालीन कविताः प्रश्न और जिज्ञासा - आनन्द प्रकाश
- त्रिलोचन - रेवतीरमण
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - कृष्णदत्त पालीवाल
- कुंवरनारायणः उपस्थिति - सं. यतींद्र मिश्र

MAH-203-हिंदी नाटक

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी नाटक व रंगमंच से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

203.1 हिंदी नाटक के प्रमुख हस्ताक्षरों के नाटकों से परिचय।

203.2 हिंदी रंगकर्म के विभिन्न पहलुओं का बोध।

203.3 नाटक व रंगमंचीय अध्ययन की आलोचना की दृष्टि का विकास।

203.4 नाटक लेखन व उसके प्रस्तुतीकरण के विविध पहलुओं के बारे में समझ विकसित होगी।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिए जायेंगें। परीक्षार्थी को एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा। का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ

के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

धर्मवीर भारती - अंधा युग

मोहन राकेश - आषाढ़ का एक दिन

शंकर शेष - एक और द्रोणाचार्य

(ख) द्रुत पाठ के लिए

भारतेंदु हरिश्चंद्र - अंधेर नगरी, जयशंकर प्रसाद - ध्रुव स्वामिनी, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - बकरी, , हबीब तनवीर - आगरा बाजार, जगदीश चंद्र - कोणार्क, स्वदेश दीपक - कोर्ट मार्शल, असगर वजाहत - जिन लाहौर नीं वेख्या ओ जम्या ही नीं

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	203.1	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
-	203.2	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
	203.3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
	203.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	2.5	3	3	2.5	3	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- हिंदी नाटक का उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
- नाट्यशास्त्र - राधा वल्लभ त्रिपाठी
- रंगदर्शन - नेमिचंद्र जैन
- रंगमंच और हिंदी नाटक - लक्ष्मीनारायण लाल
- हिंदी नाटक - बच्चन सिंह
- हिंदी नाटकः आज एवं कल - जयदेव तनेजा
- भारतीय नाट्य साहित्य - नगेंद्र
- हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीष रस्तोगी
- आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - नेमिचंद जैन
- हिन्दी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन - सीताराम झा 'श्याम'
- मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश - गोविन्द चातक, लोकभारती प्रकाशन

- हिन्दी नाटक : मिथक और यथार्थ - रमेश गौतम
- आज के रंग नाटक - इब्राहिम अल्काज़ी

MAH-204-हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी पत्रकारिता के स्वरूप, विकास तथा मीडिया के विविध पहलुओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

204.1 हिंदी पत्रकारिता के विकास की समझ।

204.2 जनसंचार के सिद्धांतों व व्यवहारिक पहलुओं की समझ।

204.3 जनसंचार के प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता में अभिवृद्धि।

204.4 जनसंचार के इलेक्ट्रोनिक व इंटरनेट के लिए लेखन की क्षमता में अभिवृद्धि।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 24 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।
-

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई -1. पत्रकारिता का स्वरूप, हिंदी पत्रकारिता का विकास, हिंदी पत्रकारिता और नवजागरण, हिंदी पत्रकारिता और राष्ट्रीय आंदोलन, हिंदी पत्रकारिता और हिंदी भाषा, हिंदी पत्रकारिता और हिंदी साहित्य, हिंदी की प्रमुख साहित्यिक पत्रिकाएं, हिंदी के प्रमुख साहित्यिक

पत्रकार।

इकाई -2. संपादन : अवधारणा और उद्देश्य, संपादकीय लेखन के तत्व, मुद्रण (प्रिंट) माध्यमों की भाषा, प्रिंट माध्यम की साज-सज्जा व दृश्य सामग्री, प्रिंट माध्यम लेखन - (फीचर, साक्षात्कार, फिल्म व पुस्तक समीक्षा)

इकाई - 3. इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की भाषा की प्रकृति, साहित्य विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपातरण, दृश्य-श्रव्य सामग्री का सामंजस्य (पार्श्व वाचन, वॉयस ओवर), दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन (रेडियो, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन), इलेक्ट्रोनिक माध्यमों में सामग्री प्रस्तुतिकरण व एंकरिंग

इकाई - 4. इंटरनेट पत्रकारिता, ब्लॉग, हिंदी के प्रमुख वेब पोर्टल, सोशल मीडिया लेखनः समस्याएं, चुनौतियां व संभावनाएं

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	204.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
-	204.2	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	204.3	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
	204.4	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
	Average	3	3	2.5	3	3	2.5	2.5	3	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- मीडिया लेखन के सिद्धांत - डॉ. एन सी पंत
- मीडिया विमर्श - रामशरण जोशी
- मीडिया भाषा और संस्कृति - कमलेश्वर
- रेडियो लेखन - राजेंद्र मिश्र
- हिन्दी पत्रकारिता - कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1969
- हिन्दी पत्रकारिता इतिहास एवं स्वरूप- शिवकुमार दुबे, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
- भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास- जेफ्रीरोबिन्स
- संस्कृति उद्योग - टी. डब्ल्यू एडोर्नो
- टेलीविजन की कहानी - श्याम कश्यप, मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- पत्रकारिता : परिवेश औ प्रवृत्तियां - डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन
- इंटरनेट पत्रकारिता - सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता - डॉ. अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय इलेक्ट्रोनिक मीडिया - देवव्रत सिंह

- न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियां और संभावनाएं - आर. अनुराधा
- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका - जगदीशवर चतुर्वेदी

MAH-205-(i)-हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

205.1 हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

205.2 हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के साहित्यिक अवदान की समझ।

205.3 हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

205.4 हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की कविता, कहानियों तथा साहित्य चिंतन की विशिष्टता का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : अज्ञेय के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

अज्ञेय का जीवन और साहित्य; अज्ञेय का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; अज्ञेय का साहित्यिक अवदान; अज्ञेय का साहित्य चिंतन; अज्ञेय साहित्य की प्रासंगिकता; अज्ञेय का साहित्य और भारत विभाजन की त्रासदी; अज्ञेय के सामाजिक-राजनीतिक विचार; अज्ञेय और मध्यवर्ग; अज्ञेय की भाषा; कवि अज्ञेय; उपन्यासकार अज्ञेय; कहानीकार अज्ञेय; निबंधकार अज्ञेय; यात्री अज्ञेय।

(ख) व्याख्या के लिए

कविता - कितनी नावों में कितनी बार (प्रारंभ की 15 कविताएं)

(ग) पाठ बोध के लिए

यात्रा वृतांत - अरे यायावर रहेगा याद (परशुराम से तूरखम**)**

correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
um correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
g correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

se e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	
	205.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	
[-	205.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	
i)	205.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	
	205.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5	

सहायक पुस्तकें

- सर्जना और संदर्भ - अज्ञेय
- अज्ञेय और रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- अज्ञेय का कथा साहित्य - ओम प्रभाकर
- अज्ञेय होने का अर्थ - कृष्णदत्त पालीवाल
- अज्ञेय का कवि कर्म - रमेश चंद्र शाह
- अज्ञेय और आधुनिक रचना का समस्या - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
- अज्ञेय की काव्य तितीर्षा - नंदकिशोर आचार्य
- अपने-अपने अज्ञेय - ओम थानवी
- अज्ञेय : स्मृतियों के झरोखे से - डॉ. नीलम ऋषिकल्प
- अज्ञेय : एक अध्ययन - भोलाभाई पटेल
- अज्ञेय : कवि का कर्म - रमेशचन्द्र शाह
- सर्वेश्वर, मुक्तबोध और अज्ञेय - डॉ. कृपाशंकर पांडेय
- शिखर से सागर तक (अज्ञेय जीवनी) - रामकमल राय

- अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य - अशोक वाजपेयी

MAH-205-(ii)-मुक्तिबोध

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मुक्तिबोध के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

205.1 मुक्तिबोध के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

205.2 मुक्तिबोध के साहित्यिक अवदान की समझ।

205.3 मुक्तिबोध के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

205.4 मुक्तिबोध की कविता, कहानियों तथा साहित्य चिंतन की विशिष्टता का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : मुक्तिबोध के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

मुक्तिबोध का जीवन और साहित्य; मुक्तिबोध का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; मुक्तिबोध का साहित्यिक अवदान; मुक्तिबोध का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव; मुक्तिबोध का साहित्य चिंतन; मुक्तिबोध और मध्यवर्ग; मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया; मुक्तिबोध के सामाजिक-राजनीतिक

विचार; मुक्तिबोध का साहित्य मिथक; मुक्तिबोध का साहित्य और फैंटेसी; मुक्तिबोध की कलागत विशेषताएं; मुक्तिबोध की भाषा; कवि मुक्तिबोध; कहानीकार मुक्तिबोध; निबंधकार मुक्तिबोध; उपन्यासकार मुक्तिबोध।

(ख) व्याख्या के लिए

कविता - (मैं तुम लोगों से बहुत दूर हूं, शून्य, मुझे कदम कदम पर, जन जन का चेहरा एक, भूल गलती, चांद का मुंह टेढ़ा है, पूंजीवादी समाज के प्रति, कवियों का पाप

(ग) पाठ बोध के लिए

निबंध - साहित्य के दृष्टिकोण, काव्य की रचना-प्रक्रियाःएक व दो, मध्ययुगीन भक्ति आंदोलन का एक पहलू, जनता का साहित्य किसे कहते हैं। (संदर्भ पुस्तकः डबरे पर सूरज का बिंब - सं. चंद्रकांत देवताले)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	205.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
-	205.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
i)	205.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	205.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- मुक्तिबोध रचनावली - मुक्तिबोध
- एक साहित्यिक की डायरी - मुक्तिबोध
- डबरे पर सूरज का बिंब - सं. चंद्रकांत देवताले
- कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
- नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा
- मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध काव्यकला के प्रतीक - चंचल चौहान
- मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया - अशोक चक्रधर
- मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना - नंद किशोर नवल
- फीचर फिल्म - सतह से उठता आदमी
- मुक्तिबोध की आत्मकथा - श्रीकांत वर्मा

- मुक्तिबोध प्रतिबद्ध कला के प्रतीक - चंचल चौहान, पांडुलिपि प्रकाशन

MAH-205-(iii)- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

205.1 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

205.2 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्यिक अवदान की समझ।

205.3 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

205.4 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों,निबंधों व साहित्य चिंतन की विशिष्टता का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्याकंन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का जीवन और साहित्य; हजारीप्रसाद द्विवेदी का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक अवदान; आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की प्रासंगिकता; आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य चिंतन; आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य पर प्रभाव; आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की भाषा; आलोचक हजारीप्रसाद द्विवेदी; उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी; इतिहासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी; निबंधकार

हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) व्याख्या के लिए

निबंध-संग्रह - अशोक के फूल

(ग) पाठ बोध के लिए

उपन्यास - बाणभट्ट की आत्मकथा

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
ım correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ıe particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
-	205.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	205.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	205.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	205.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- शांति निकेतन से शिवालिक - सं. शिवप्रसाद सिंह
- दूसरी परंपरा की खोज - नामवर सिंह
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (संकलित निबंध) - नामवर सिंह
- हजारी प्रसाद द्विवेदी - सं. विश्वनाथ त्रिपाठी
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - चौथीराम यादव
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - व्यक्तित्व एवं कृतित्व - गणपतिचंद्र गुप्त
- व्योमकेश दरवेश - विश्वनाथ त्रिपाठी
- हजारी प्रसाद द्विवेदी-जन्मशती अंक, इन्द्रप्रस्थ भारती जनवरी-मार्च 2007
- उपन्यासकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - त्रिभुवन सिंह
- दस्तावेज 5/6 (हजारी प्रसाद स्मृति अंक) - सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आकाशधर्मी आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - हीरालाल बोछोतीया, किताबघर प्रकाशन
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यास - पल्लवी श्रीवास्तव

MAH-205-(iv)-भीष्म साहनी

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भीष्म साहनी के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

205.1 भीष्म साहनी के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

205.2 भीष्म साहनी के साहित्यिक अवदान की समझ।

205.3 भीष्म साहनी के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

205.4 भीष्म साहनी के उपन्यासों, कहानियों, नाटकों व साहित्य चिंतन की विशिष्टता का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : भीष्म साहनी के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

भीष्म साहनी का जीवन और साहित्य; भीष्म साहनी का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; भीष्म साहनी का साहित्यिक अवदान; भीष्म साहनी का साहित्य चिंतन; भीष्म साहनी का साहित्य और विभाजन की त्रासदी; भीष्म साहनी का सामाजिक-राजनीतिक विचार; भीष्म साहनी का साहित्य और मध्यवर्ग; भीष्म साहनी का साहित्य और स्त्री-मुक्ति; भीष्म साहनी का साहित्य और कलाकार की स्वतंत्रता; कहानीकार भीष्म साहनी; उपन्यासकार भीष्म साहनी; नाटककार भीष्म साहनी।

(ख) व्याख्या के लिए

नाटक - कबिरा खड़ा बजार में

(ग) पाठ बोध के लिए

कहानियां - (चीफ की दावत; वॉङ्चू; अमृतसर आ गया है; खिलौने; साग-मीट; समाधि भाई रामसिंह; लीला नंदलाल की; गंगो का जाया; माता-विमाता; सिफारिशी चिट्ठी)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
-	205.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	205.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	205.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	205.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- भीष्म साहनी; मेरी प्रिय कहानियां; राजपाल एंड संस; दिल्ली।
- आज के अतीत - भीष्म साहनी
- होना भीष्म साहनी का - मधुरेश; साहित्य भंडार; इलाहाबाद
- भीष्म साहनी विशेषांक (ताकि इंसान अच्छा बने; दुनिया खूबसूरत हो) - उद्भावना
- भीष्म साहनी के साहित्य सरोकार - राम विनय शर्मा; नयी किताब प्रकाशन
- भीष्म साहनी - श्याम कश्यप; वाणी प्रकाशन
- फिर से तमस (साहनी विशेषांक) - बनास जन
- हिन्दी उपन्यास को नयी जमीन (साहनी विशेषांक) - बनास जन
- भीष्म साहनी विशेषांक - सं. प्रो. के. वनेजा; अनुशीलन अंक- 43; जुलाई 2015
- भीष्म साहनीः साहित्य और जीवन दर्शन - सुभाष चंद्र
- भीष्म साहनी जन्म शताब्दी विशेषांक - बनास जन; पत्रिका
- भीष्म साहनी विशेषांक उद्भावना; पत्रिका

MAH-205-(v)-मोहन राकेश

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मोहन राकेश के जीवन साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

205.1 मोहन राकेश के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

205.2 मोहन राकेश के साहित्यिक अवदान की समझ।

205.3 मोहन राकेश के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

205.4 मोहन राकेश के उपन्यासों, नाटकों व साहित्य चिंतन की विशिष्टता का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित एक की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : मोहन राकेश के समस्त साहित्य में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए विषय

मोहन राकेश का जीवन और साहित्य; मोहन राकेश का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; मोहन राकेश का साहित्यिक अवदान; मोहन राकेश का साहित्य चिंतन; मोहन राकेश का साहित्य और विभाजन की त्रासदी; मोहन राकेश के सामाजिक-राजनीतिक विचार; मोहन राकेश का साहित्य और मध्यवर्ग; मोहन राकेश का साहित्य और स्त्री-मुक्ति; मोहन राकेश का साहित्य और कलाकार की स्वतंत्रता; नाटककार मोहन राकेश; कहानीकार मोहन राकेश; उपन्यासकार मोहन राकेश।

(ख) व्याख्या के लिए

नाटक - आधे अधूरे

(ग) पाठ बोध के लिए

कहानियां - (मिस पाल; आर्द्रा; मलबे का मालिक; एक और जिंदगी; जानवर और जानवर)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	205.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
-	205.2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
)	205.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	205.4	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	Average	3	2.5	3	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- नाटककार मोहन राकेश संवाद शिल्प - प्रो. मदन लाल, दिनमान प्रकाशन
- मेरा हमदम : मेरा दोस्त - कमलेश्वर, जागृति प्रकाशन
- मोहन राकेश की संपूर्ण कहानियां - कमलेश्वर, राजपाल एंड सन्स
- मोहन राकेश स्मृति विशेषांक - धनंजय वर्मा, सारिका, मार्च 1973
- कहानीकार मोहन राकेश - डॉ. सुषमा अग्रवाल
- अपने नाटकों के दायरे में मोहन राकेश - तिलकराज शर्मा, आर्य बुक डिपो
- आधुनिक हिन्दी नाटक का मसीहा मोहन राकेश - डॉ. गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन
- मोहन राकेश की डायरी - सं. अनीता राकेश, राजपाल एंड सन्स
- मोहन राकेश और उनका साहित्य - डॉ. निलम फारूकी
- मोहन राकेश का समग्र साहित्य - डॉ. सुरेशचन्द्र चुलकीमठ, आर्य प्रकाशन मंडल
- आधुनिकता और मोहन राकेश - डॉ. उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- मोहन राकेश की रंग सृष्टि - जगदीश शर्मा, राधाकृष्णन प्रकाशन
- मोहन राकेश और उनका साहित्य - कविता शनवारे, विकास प्रकाशन, जयपुर

MAH-206-हिंदी भाषा के विविध अनुप्रयोग

क्रेडिट - 2 **कुल अंक 50**

समय 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा के विविध प्रयोगों से परिचित कराना। हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

206.1 हिंदी भाषा के विकास की जानकारी।

206.2 हिंदी भाषा के विविध प्रयोग की क्षमता में वृद्धि।

206.3 हिंदी भाषा के विकास व उसकी बोलियों का ज्ञान होगा

206.4 अनुवाद व प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न-** निर्धारित पाठ्यक्रम से चार प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंहीं दो के समीक्षात्मक ढंग से उत्तर देने होंगे। प्रत्येक 10 अंकों का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड** -समस्त पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

- भाषा का स्वरूप और विशेषताएं, भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास, भाषा के रूप में हिंदी का विकास, साहित्य और संचार की भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार, हिंदी की बोलियां।
- हिंदी भाषा के विविध अनुप्रयोग (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा), राजभाषा का अर्थ एवं महत्व, राजभाषा के रूप में हिंदी, हिंदी का संविधानिक स्थिति। शिक्षा–माध्यम के रूप में हिंदी, हिंदी अध्ययन-अध्यापन (विज्ञान वाणिज्य व मानविकी के क्षेत्र में)
- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा, अनुवाद की अवधारणा और क्षेत्र, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद, अनुवाद प्रक्रिया के चरण, अनुवाद के उपकरण और साधन।
- प्रशासनिक भाषा का स्वरूप और महत्व, सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग, कार्यालयी पत्र लेखन के विभिन्न प्रकार, प्रारूपण, टिप्पण।
- व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी (बैंक, बीमा, मीडिया), विधि क्षेत्र में हिंदी भाषा, विज्ञापन व बाजार की हिंदी

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
ım correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ıe particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5

MAH-206	206.1	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3	3	3
	206.2	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3	3
	206.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	206.4	3	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
	Average	3	3	3	2.75	2.75	2.5	3	2.25	3	3	2.75	3

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरुप - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप - डॉ. राजेन्द्र मिश्र और राकेश शर्मा
- हिन्दी में सरकारी कामकाज - रामविनायक सिंह
- प्रशासन में राजभाषा हिन्दी - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
- प्रशासनिक और व्यवहारिक पत्रव्यवहार - ए. ई. विश्वनाथ अय्यर
- राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
- व्यावहारिक हिन्दी - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
- अच्छी हिन्दी - रामचन्द्र वर्मा
- विज्ञापन व्यवसाय एवं कला - रामचंद्र तिवारी
- अनुवाद विज्ञान : सिद्‌धांत और अनुप्रयोग - डॉ. नगेन्द्र
- अनुवाद कला - डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
-

सेमेस्टर - III

MAH-301-भारतीय साहित्यशास्त्र

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्‌यक्रम का उद्‌देश्य

साहित्य के बारे में भारतीय चिंतन की समझ विकसित होगी।

पाठ्‌यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 भारतीय ज्ञान की परंपराओं का बोध।

301.2 संस्कृत भाषा में साहित्य चिंतन की जानकारी।

301.3 हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में साहित्य चिंतन की जानकारी।

301.4 साहित्य की आलोचना और मूल्याकंन की दृष्टि का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्‌यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक

आलोचनात्मक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।

- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : समस्त पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 24 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई -1.

- साहित्य की अवधारणा, साहित्य के तत्व, रूप और अंतर्वस्तु के अंतःसंबंध, साहित्य और समाज के अन्तःसंबंध। बिम्ब, प्रतीक, मिथक
- संस्कृत काव्यशास्त्रियों की दृष्टि में - काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन।

इकाई -2.

- रस सिद्धांत - रस के अंग, रसानुभूति की प्रक्रिया, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
- अलंकार सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं और प्रमुख भेद
- ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य का वर्गीकरण
- वक्रोक्ति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं

इकाई -3.

- रीतिकालीन हिंदी आचार्यों का साहित्य-चिंतन
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्य चिंतन
- प्रेमचंद का साहित्य चिंतन
- मुक्तिबोध का साहित्य चिंतन

इकाई - 4.

- अल्ताफ हुसैन हाली (उर्दू) का साहित्य चिंतन
- रवींद्रनाथ टैगोर (बांग्ला)) का साहित्य चिंतन
- भालचंद्र निमाड़े (मराठी) का साहित्य चिंतन

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5

Code													
MAH-301	301.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3
	301.2	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3	3
	301.3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3	3
	301.4	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3
	Average	3	3	3	3	2.5	2.5	2.5	3	3	2.5	3	3

सहायक पुस्तकें

- भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी
- भारतीय काव्यशास्त्र - विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
- संस्कृत काव्यशास्त्र - बलदेव उपाध्याय
- हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास - भगीरथ मिश्र
- हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली - अमरनाथ
- हिंदी काव्य चिंतन की परम्परा - दीपक प्रकाश त्यागी
- रस-मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- काव्यास्वाद और साधारणीकरण - राजेंद्र गौतम
- मुकदमा-ए-शेरो-शायरी - अल्ताफ हुसैन हाली
- रवींद्रनाथ के निबंध - रवींद्रनाथ टैगोर
- विविध प्रसंग - प्रेमचंद
- एक साहित्यिक की डायरी - मुक्तिबोध
- टीका स्वयंबर - भालचंद्र निमाड़े
- भारतीय काव्य मीमांसा - ती. नं. श्रीकण्ठय्या

MAH-302-मध्यकालीन हिंदी कविता

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मध्यकालीन हिंदी कविता से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

302.1 मध्यकालीन हिंदी कविता से परिचय।

302.2 मध्यकालीन हिंदी कविता की आलोचनात्मक समझ का विकास।

302.3 मध्यकालीन कविता की विभिन्न धाराओं की विशिष्टताओं की पहचान।

302.4 मध्यकालीन हिंदी कविता के काव्य-सरोकार व शिल्प का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्यक्रम से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिये जायेंगें।

परीक्षार्थी को तीन का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।

- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

भक्ति आंदोलन की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि; मध्यकालीन कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि; मध्यकालीन कविता की विभिन्न धाराएं; मध्यकालीन कविता के सामाजिक सरोकार; मध्यकालीन कविता का परवर्ती कविता पर प्रभाव; मध्यकालीन कविता पर पूर्ववर्ती कविता के प्रभाव; मध्यकालीन कविता और लोक जीवन; मध्यकालीन कविता और प्रेम; मध्यकालीन कविता और धर्म; मध्यकालीन कविता और स्त्री; मध्यकालीन कविता और दलित वर्ग; मध्यकालीन कविता और साम्प्रदायिक सद्भाव; मध्यकालीन कविता और सामंतवाद; मध्यकालीन कविता और वीर रस; मध्यकालीन कविता की भाषा; मध्यकालीन कविता की कलात्मकता

(ख) व्याख्या के लिए

कबीर - (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, पद संख्या 160-180)
पदमावत - (नागमती वियोग खंड, प्रारंभ के दस पद)
भ्रमरगीत सार - (सं. रामचंद्र शुक्ल, पद संख्या 1 से 20)
कवितावली - उत्तरकाण्ड (पद संख्या 96-110)
बिहारी सतसई - (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर) दोहा 1-30)

(ग) द्रुत पाठ के लिए

अमीर खुसरो, विद्यापति, गुरुनानक, रैदास, मीरा, रहीम, मतिराम, देव, घनानंद, भूषण

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
-	302.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3

302	302.2	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3	3
	302.3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3	3
	302.4	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.75	3	3	2.5	2.75	2.75	3	3	2.5	2.75	3

सहायक पुस्तकें

- गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- लोकवादी तुलसी -विश्वनाथ त्रिपाठी
- बिहारी की काव्य दृष्टि - जय प्रकाश
- बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह
- घनानंद कवित्त - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- घनानंद - लल्लन राय
- रहीम ग्रंथावली - संपा - विद्यानिवास मिश्र
- सांझी संस्कृति की विरासत - डॉ. सुभाष चन्द्र
- अमीर खुसरो का हिंदवी काव्य - गोपीचंद नारंग
- भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य - शिवकुमार मिश्र

MAH-303-हिंदी कहानी

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी कहानी से परिचित करवाना। कथा साहित्य के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

303.1 हिंदी कहानी की समझ विकसित होगी।

303.2 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की कहानी में उपस्थिति का बोध।

303.3 हिंदी कहानियों की विशिष्टता का बोध।

303.4 हिंदी कहानियों की संरचना व शिल्प का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेगे। परीक्षार्थी को एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिये जायेंगें।

परीक्षार्थी को तीन का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।

- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

हिंदी कहानीः स्वरूप और विकास; हिंदी कहानी और राष्ट्रीय आंदोलन; हिंदी कहानी और मध्य वर्ग; हिंदी कहानी और किसान; हिंदी कहानी और स्त्री; हिंदी कहानी और दलित; हिंदी कहानी और ग्रामीण भारत; हिंदी कहानी और महानगर; कहानीकार प्रेमचंद; कहानीकार यशपाल; कहानीकार जैनेंद्र; कहानीकार निर्मल वर्मा; कहानीकार कमलेश्वर; कहानीकार अमरकांत; कहानीकार कृष्णा सोबती; कहानीकार मन्नू भंडारी; कहानीकार विद्यासागर नौटियाल; कहानीकार एस. आर. हरनोट; हरियाणा के कहानीकार (राकेश वत्स; तारा पांचाल; रामकुमार आत्रेय; ज्ञानप्रकाश विवेक)

(ख) व्याख्या, पाठ बोध व लघुतरी प्रश्नों के लिए

कहानियां - उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी); पूस की रात, ईदगाह (प्रेमचन्द); आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद); रोज (अज्ञेय); परदा (यशपाल); अपना अपना भाग्य (जैनेंद्र); परिंदे (निर्मल वर्मा); तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु); चीफ की दावत (भीष्म साहनी); जिंदगी और जोंक (अमरकांत); कोसी का घटवार (शेखर जोशी); जॉर्ज पंचम की नाक (कमलेश्वर); सिक्का बदल गया (कृष्णा सोबती); वापसी (उषा प्रियंवदा); यही सच है (मन्नू भंडारी); पिता (ज्ञानरंजन); भैंस का कट्या (विद्यासागर नौटियाल); खाली लौटते हुए (तारा पांचाल)।

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
-	303.1	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	303.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3

303.3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
303.4	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
Average	3	3	2.75	2.5	2.75	3	3	3	2.75	2.75	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- प्रेमचंद और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा
- प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी
- नयी कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
- एक दुनिया समानांतर - राजेंद्र यादव
- कहानीः नयी कहानी - नामवर सिंह
- हिंदी कहानीः प्रकृति और संदर्भ - देवीशंकर अवस्थी
- आज की हिंदी कहानी - विजयमोहन सिंह
- कहानी का लोकतंत्र - पल्लव
- हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश - मधुरेश
- हिंदी कथा साहित्य - गोपाल राय
- हिंदी कहानीः पहचान और परख - इंद्रनाथ मदान

MAH-304-भारतीय साहित्य

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भारतीय साहित्य से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

304.1 भारतीय साहित्य की अवधारणा की समझ।

304.2 भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त मूल्यों से परिचय।

304.3 भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय एकता के सूत्रों का बोध।

304.4 हिंदी साहित्य की हिंदी से इतर भाषाओं के साहित्य की तुलना।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में व्याख्या के लिए निर्धारित रचनाओं में से विकल्प सहित दो पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित इकाई 1 के पाठ्य विषयों और इकाई 2 व 3 में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर

केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।

- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई -1. भारतीयता : बहुसांस्कृतिकता, बहुभाषिकता व बहुधर्मिता; भारतीय साहित्य और भारतीयता; भारतीय साहित्य का स्वरूप; भारतीयता का समाजशास्त्र; भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं; भारतीय साहित्य में आज का भारत; भारतीय साहित्य और भारतीय मूल्य।

इकाई - 2. **उपन्यास** - पिंजर - अमृता प्रीतम

इकाई - 3. **नाटक -** तुगलक - गिरीश कर्नाड

(ख) व्याख्या के लिए

कविताएं - रवींद्रनाथ ठाकुर (दो पंछी, प्रार्थना, त्राण, भारत तीर्थ, अपमानित, धूलि-मंदिर) रवींद्रनाथ की कविताएं - अनुवाद व संपादन हजारीप्रसाद द्विवेदी ; साहित्य अकादमी, दिल्ली

नजरूल इस्लाम (विद्रोही, हिंदू-मुसलमान)

गालिब - 5 ग़ज़लें - हर एक बात पे कहते हो तुम कि 'तू क्या है',
हज़ारों ख़्वाहिशें ऐसी कि, हर ख़्वाहिश पे दम निकले,
कोई उम्मीद बर नहीं आती,
बस कि दुश्वार है हर काम का आसां होना
है बस कि हर इक उनके इशारे में निशाँ और)

अल्ताफ हुसैन हाली पानीपती - चुप की दाद (अल्ताफ हुसैन हाली : चिंतन और सृजन - सुभाष चंद्र ; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला)

द्रुत पाठ के लिए -

कालिदास, गुरदयाल सिंह, नजरूल इस्लाम, सुब्रमण्यम भारती, यू. आर. अनन्तमूर्ति, विजय तेंदुलकर, नवकांत बरुआ, फकीर मोहन सेनापति

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ıe particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
-	304.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3
	304.2	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	304.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2

		304.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
		Average	3	3	3	2.75	3	2.25	2.75	3	3	2.75	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास - डा. नगेंद्र
- भारतीय साहित्य - नगेंद्र
- भारतीय साहित्य की अवधारणा - डा. राजेंद्र मिश्र
- भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन - इंद्रनाथ चौधरी
- भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं - रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य - भोला शंकर व्यास
- संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर
- आज के रंग नाटक - इब्राहिम अल्काजी
- आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास - सूर्यनारायण रणसुभे
- मराठी का आधुनिक साहित्य - मि. सी. देशपांडे
- नवजागरण के अग्रदूत : अल्ताफ हुसैन हाली पानीपती की चुनिंदाः नज़्में व ग़ज़लें - सं. सुभाष चंद्र
- शब्द और सुर का संगम - काज़ी नज़रूल इस्लाम - अनु. दानबहादुर सिंह
- गालिब और उनका युग - पवन कुमार

MAH-305-(i)-कबीरदास

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कबीर के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

305.1 कबीर के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

305.2 कबीर के साहित्यिक अवदान की समझ।

305.3 कबीर के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

305.4 कबीर चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित दो की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।

- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

संतकाव्य का वैचारिक आधार; संतकाव्य की परंपरा; संतकाव्य का सामाजिक प्रभाव; संतकाव्य की प्रासंगिकता; कबीर का जीवन और साहित्य; कबीर के आलोचक; कबीर की लोक छवियां; कबीर का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव; कबीर की भक्ति भावना; कबीर का समाज दर्शन; कबीर की भाषा; कबीर की काव्य कला; कबीर का सामाजिक विद्रोह; कबीर के राम; दृश्य-श्रव्य माध्यमों में कबीर; वर्तमान में अस्मितामूलक विमर्श और कबीर।

(ख) व्याख्या के लिए

कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी (पद संख्या 180 से 209)

(ग) लघु उत्तरी प्रश्नों के लिए-

नामदेव, कबीर, गुरुनानक, रैदास, दादू, मलूकदास, रज्जब, सुंदरदास, गरीबदास, सहजोबाई

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	305.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
-	305.2	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
)	305.3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर काव्य मीमांसा - रामचंद्र तिवारी
- कबीरदास विविध आयाम - सं. प्रभाकर श्रोत्रिय
- कबीर - आधुनिक संदर्भ
- कबीर - डॉ. सेवा सिंह
- भक्ति के तीन स्वर - जॉन स्ट्रैटन हौली

MAH-305-(ii)-मलिक मुहम्मद जायसी

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मलिक मुहम्मद जायसी के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

305.1 मलिक मुहम्मद जायसी जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

305.2 मलिक मुहम्मद जायसी के साहित्यिक अवदान की समझ।

305.3 मलिक मुहम्मद जायसी के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

305.4 मलिक मुहम्मद जायसी चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित दो की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

सूफी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि; प्रमुख सूफी मतों का परिचय; सूफी काव्य की परंपरा; सूफी काव्य का सामाजिक प्रभाव; सूफी साहित्य का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव; सूफीकाव्य की प्रासंगिकता; जायसी का जीवन और साहित्य; जायसी और उनका सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; जायसी के काव्य में प्रेम; जायसी का काव्य और लोक-संस्कृति; जायसी के काव्य में प्रकृति; जायसी के काव्य में लोक तत्व; जायसी के काव्य कला; जायसी की काव्य भाषा; जायसी संबंधी हिंदी आलोचना।

(ख) व्याख्या के लिए

पदमावत - (मानसरोदक खंड और नागमती वियोग खंड)

लघु उत्तरी प्रश्नों के लिए -

(फरीद, निजामुदद्दीन औलिया, जायसी, कुतुबन, मंझन, ईश्वरदास, मुल्ला दाउद, उस्मान, नूर मुहम्मद)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	305.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
-	305.2	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
i)	305.3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- जायसी ग्रंथावली - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- सूफीमत और साधना - रामपूजन तिवारी
- तसव्वुफ अथवा सूफीमत - चंद्रबली सिंह
- जायसी - विजयदेव नारायण साही
- जायसी - सं. सदानंद साही

- जायसीः एक नई दृष्टि - डॉ. रधुवंश
- सूफी मत और हिंदी सूफी काव्य - डॉ. नरेश
- मौलाना जलालुद्दीन रूमी - त्रिनाथ मिश्र

MAH-305-(iii)-सूरदास

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सूरदास के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

305.1 सूरदास के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

305.2 सूरदास के साहित्यिक अवदान की समझ।

305.3 सूरदास के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

305.4 सूरदास के चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित दो की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्याकंन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

कृष्ण काव्यधारा की वैचारिक पृष्ठभूमि; कृष्ण काव्य की परंपरा; कृष्णकाव्य का सामाजिक प्रभाव; कृष्णकाव्य और स्त्री; कृष्णकाव्य की प्रासंगिकता; अष्टछाप का परिचय; सूरदास का जीवन और साहित्य; सूरदास और उनका परिवेश; सूरदास दास का काव्य और लोकजीवन; सूरदास का वात्सल्य वर्णन; सूरदास का काव्य और प्रेम भावना; सूरदास का शृंगार वर्णन; सूरदास काव्य में गीति तत्व; सूरदास काव्य में लोक तत्व; सूरदास की काव्य भाषा।

(ख) व्याख्या के लिए

सूरदास - भ्रमरगीत सार - सं. रामचंद्र शुक्ल - पद (21 से 50)

(ग) द्रुत पाठ के लिए

(बल्लभाचार्य, बिट्ठलनाथ, कुंभनदास, सूरदास, मीरा, नंददास, रहीम, रसखान, नरोत्तम दास)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
-	305.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	305.2	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- सूरदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- सूर-साहित्य - आचार्च हजारी प्रसाद द्विवेदी
- सूरदास - नंददुलारे वाजपेयी
- सूरदास और कृष्णभक्ति काव्य - मैनेजर पांडेय
- अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय - दीनदयाल गुप्त
- मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी
- भक्ति के तीन स्वर - जॉन स्ट्रैटन हौली

MAH-305-(iv)-तुलसीदास

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

तुलसीदास के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

305.1 तुलसीदास के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

305.2 तुलसीदास के साहित्यिक अवदान की समझ।

305.3 तुलसीदास के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

305.4 तुलसीदास के चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित दो की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

रामकाव्य का वैचारिक आधार; रामकथा के विविध रूप; राम काव्य की परंपरा; रामकाव्य का सामाजिक प्रभाव; रामकाव्य की प्रासंगिकता; तुलसीदास का जीवन और साहित्य; तुलसीदास और उनका सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; तुलसीदास के राम; तुलसीदास और लोकमंगल की भावना; तुलसीदास की समन्वय भावना; तुलसीदास का साहित्य और आदर्श राज्य की कल्पना; तुलसीदास और लोकजीवन; तुलसीदास की काव्य-कला; तुलसीदास की काव्य-भाषा; तुलसीदास का परवर्ती

साहित्य पर प्रभाव; वर्तमान में अस्मितामूलक विमर्श और तुलसीदास।

(ख) व्याख्या के लिए

रामचरितमानस - उत्तरकाण्ड (प्रारंभ के 30 पद)

(ग) लघु उत्तरी प्रश्नों के लिए

रामचरित मानस, कवितावली, विनय पत्रिका, हनुमानबाहुक, रामलला नछहू, रामचंद्रिका, भक्तमाल

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
-	305.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	305.2	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह
- तुलसीदास और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा
- लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी
- तुलसीदास - ग्रियर्सन
- रामकथा का विकास - कामिल बुल्के
- तुलसीदास का काव्य विवेक और मर्यादा बोध - कमलानंद झा

MAH-305-(v)-बिहारी

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

बिहारी के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

305.1 बिहारी के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।

305.2 बिहारी के साहित्यिक अवदान की समझ।

305.3 बिहारी के साहित्य सरोकारों व मूल्यों का बोध।

305.4 बिहारी के चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगें। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित दो की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से छः आलोचनात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

रीतिकालीन काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि; रीतिकालीन काव्य की परंपरा; रीतिकालीन काव्य की प्रवृतियां; रीतिकाल का साहित्य और हिंदी आलोचना; रीतिकाल का लौकिक साहित्य; रीतिकालीन कविता और प्रकृति; रीतिकालीन कवियों का सौंदर्य बोध; बिहारी का जीवन और साहित्य; बिहारी के काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि; बिहारी और उनका सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; बिहारी का काव्य और प्रेम; बिहारी का काव्य और सौंदर्य; बिहारी की काव्य कला।

(ख) व्याख्या के लिए

बिहारी सतसई - सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर (दोहा संख्या 31 से 100)

(ग) लघु उत्तरी प्रश्नों के लिए

केशवदास, चिंतामणि, सुजान, भूषण, घनानंद, बोधा, आलम, ठाकुर, रसखान, गिरिधर कविराय,

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	305.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
-	305.2	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
)	305.3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	3	3	2.5	3	3	2.5	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- बिहारी सतसई - सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
- बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह
- घनानंद कवित्त - सं. विश्वनाथ मिश्र
- रीतिकाव्य की भूमिका - नगेंद्र
- घनानंद - लल्लन राय
- घनानंदः काव्य और आलोचना - डॉ. किशोरी लाल

MAH-306-सृजनात्मक लेखन

क्रेडिट - 2 | **कुल अंक 50**

समय 2 घंटे, | **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सृजनात्मक लेखन की क्षमता को विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

306.1 सृजनात्मक लेखन की योग्यता का निर्माण।

306.2 इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के लिए लेखन में दक्षता।

306.3 प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन में दक्षता।

306.4 साहित्यिक विधाओं से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न-** निर्धारित पाठ्यक्रम से चार प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंहीं दो के समीक्षात्मक ढंग से उत्तर देने होंगे। प्रत्येक 10 अंकों का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड** -समस्त पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

- सृजनात्मक लेखन का स्वरूप और महत्व, सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य, साहित्यिक लेखन के लिए भाषा की विशेषताएं। भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया।
- विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ
- सृजनात्मक भाषा (अनुभूति की प्रधानता, अर्थ की विशिष्टता एवं विविधता, भाषा शैली की विविधता, सर्जनात्मक प्रयोग)
- रचना-कौशल-विश्लेषण - रचना-सौष्ठव: शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण, सादृश्य विधान, मानवीकरण, वक्रताएं, मुहावरे, लोकोक्तियां।

सृजनात्मक लेखन विविध विधाएं –

- कविता: संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक
- कथासाहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
- नाटयसाहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म
- **प्रिंट माध्यम लेखनः** फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा

correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
um correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) the particular Programme outcome	2
g correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
[-	306.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3
	306.2	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3

	306.3	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3
	306.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	3	3	2.75	2.75	2.5	2.75	3	3	3	2.75	2.5

सहायक पुस्तकें

- रचनात्मक लेखन - संपा. रमेश गौतम
- साहित्य सहचर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- इंटरनेट पत्रकारिता - सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन
- हाइपर टेक्स्ट - वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट - जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाशन
- साहित्य और सिनेमा : अंत संबंध और रूपांतरण - विपुल कुमार
- सिनेमा की सोच - अजय ब्रह्मात्मज
- सिनेमा के बारे में - जावेद अख्तर
- टेलिविजन की कहानी - श्याम कश्यप एवं मुकेश कुमार
- समाचार फीचर लेखन और संपादन कला - प्रो. हरिमोहन
- पत्रकारिता हेतु लेखन - डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन
- मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग - मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन
- रेडिये प्रसारण - कौशल शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान
- मीडिया लेखन - संपा. रमेशचन्द्र त्रिपाठी
- मीडिया लेखन के सिद्धांत - एन. सी. पंत
- पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी
- टेलिविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन

सेमेस्टर - IV

MAH-401-पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

401.1 पाश्चात्य ज्ञान की परंपराओं का बोध।

401.2 पाश्चात्य साहित्य चिंतन की जानकारी।

401.3 पाश्चात्य साहित्य चिंतन में विभिन्न विचारधाराओं, वादों, पद्धतियों का परिचय।

401.4 साहित्य की आलोचना और मूल्यांकन की दृष्टि का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : समस्त पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 24 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई -1. प्लेटोः काव्य संबंधी मान्यताएं; अरस्तूः अनुकरण सिद्धांत; विरेचन सिद्धांत; लोंजाइनसः काव्य में उदात्त की अवधारणा; ड्राइडन के काव्य सिद्धांत

इकाई -2. वडर्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत; कॉलरिजः कल्पना और फैंटेसी; टी.एस.इलिएट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा; आई.ए.रिचडर्स : मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत।

इकाई -3. मनोविश्लेषणवाद; यथार्थवाद; मार्क्सवादी साहित्य सिद्धांत; स्वच्छंदतावाद; अभिव्यंजनावाद

इकाई - 4. संरचनावाद; आधुनिकतावाद; उत्तर-आधुनिकतावाद; प्राच्यवाद; विखंडनवाद, स्त्रीवाद।

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ne particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	401.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
-	401.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3
	401.3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	401.4	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3	3
	Average	3	3	2.5	2.75	3	2.75	2.75	3	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा - निर्मला जैन
- संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र - गोपीचंद नारंग
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा - सावित्री सिंहा
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा - सं. नगेंद्र
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन
- आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेंद्रनाथ शर्मा
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - मैनेजर पांडेय
- साहित्य, संस्कृति और विचारधारा (अनु. रामनिहाल गुंजन) - अंतोनियो ग्राम्शी
- सृजन प्रक्रिया और शिल्प के बारे में - गोर्की
- लेखन कला और रचना कौशल - गोर्की व मायकोवस्की
- साहित्य और यथार्थ - हार्वर्ड फास्ट
- आलोचना से आगे - सुधीश पचौरी
- साहित्य के अध्ययन की दृष्टियां - उदयभानु सिंह, हरभजन सिंह, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव

MAH-402-हिंदी निबंध और आलोचना

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी निबंध और आलोचना से परिचय के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

402.1 हिंदी निबंध व आलोचना के विकास का परिचय।

402.2 हिंदी निबंध और समीक्षा की आलोचनात्मक समझ।

402.3 हिंदी आलोचना के विकास व विभिन्न आलोचकों की आलोचना दृष्टि से परिचय।

402.4 निबंध लेखन व साहित्यालोचना की क्षमता।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में व्याख्या के लिए निर्धारित रचनाओं में दो पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये

जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित (इकाई 1, 2 व 3) विषयों से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई -1 हिंदी निबंध का उद्‌भव और विकास; आलोचना और रचना का संबंध; आलोचना का महत्व; हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास; हिंदी आलोचना और औपनिवेशिकता

इकाई -2 निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल; निबंधकार आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी; निबंधकार कुबेरनाथ राय; निबंधकार हरिशंकर परसाई, स्त्री निबंधकार

इकाई - 3 आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि; आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि; रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि; नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि, महादेवी वर्मा की आलोचना दृष्टि

(ख) व्याख्या व पाठ बोध के लिए निबंध

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है (भारतेन्दु); मजदूरी और प्रेम (अध्यापक पूर्ण सिंह); उत्साह (रामचंद्र शुक्ल); नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी); मेरे राम का मुकुट भीग रहा है; (विद्यानिवास मिश्र); उत्तराफाल्गुनी के आस-पास (कुबेरनाथ राय); उठ जाग मुसाफिर (विवेकी राय); संस्कृति और सौंदर्य (नामवर सिंह)।

(ग) लघु उत्तरी प्रश्नों के लिए

(बालमुकुंद गुप्त, बालकृष्ण भट्ट, आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेंद्र, विजयदेव नारायण साही, शरद जोशी, हरिशंकर परसाई)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the lar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) e particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the lar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
-	402.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3

402		402.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
		402.3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
		402.4	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3	3
		Average	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5	3	3

सहायक पुस्तकें

- हिंदी आलोचना - निर्मला जैन
- हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
- आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह
- आलोचना के प्रगतिशील आयाम - शिवकुमार मिश्र
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा
- हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
- हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी आलोचना और आलोचक - रामबक्ष
- हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ - निर्मला जैन
- आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पाण्डेय
- आलोचक का दायित्व - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
- साहित्य के अध्ययन की दृष्टियां - उदयभानु सिंह, हरभजन सिंह, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- समकालीन हिंदी निबंध - कमला प्रसाद
- हिंदी निबंध के आधार स्तम्भ - हरिमोहन
- हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन - बाबूराम
- नामवर सिंह और समीक्षा के सीमांत - जगदीश्वर चतुर्वेदी

MAH-403-हिंदी: आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण व रेखाचित्र

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण व रेखाचित्र जानकारी के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

403.1 हिंदी आत्मकथा का विकास व आलोचनात्मक समझ।

403.2 हिंदी जीवनी का विकास व आलोचनात्मक समझ।

403.3 हिंदी संस्मरण का विकास व आलोचनात्मक समझ।

403.4 हिंदी रेखाचित्र का विकास व आलोचनात्मक समझ।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से विकल्प एक सहित पाठांश दिया जायेगा। परीक्षार्थी को संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।

- **पाठ बोध :** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

आत्मकथा - निज जीवन छटा - रामप्रसाद बिस्मिल
जीवनी - प्रेमचंद घर में - शिवरानी देवी
संस्मरण - संस्मृतियां - शिव वर्मा

(ख) व्याख्या व पाठ बोध के लिए

रेखाचित्र - रामवृक्ष बेनीपुरी - माटी की मूरतें

(ग) द्रुत पाठ के लिए

(महादेवी वर्मा, माखनलाल चतुर्वेदी, राहुल सांकृत्यायन, कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर, देवेंद्र सत्यार्थी, पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र, शिवपूजन सहाय, कौशल्या बैसंत्री)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
ım correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ne particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	403.1	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
-	403.2	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	403.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	403.4	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	Average	2.75	3	3	3	2.75	2.75	3	3	3	3	2

सहायक पुस्तकें

- आत्मकथा की संस्कृति - पंकज चतुर्वेदी
- हिंदी गद्य : इधर की उपलब्धियां - पुष्पपाल सिंह
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिन्दी गद्य का इतिहास - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - विजय मोहन सिंह
- हिंदी कथेतर गद्यः परंपरा और प्रयोग - दयानिधि मिश्र

MAH-404-अनुवाद और शोध-प्रविधि

क्रेडिट - 4 | **कुल अंक 100**
समय 3 घंटे, | **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

अनुवाद और शोध-प्रविधि से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

404.1 अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान।
404.2 अनुवाद करने की योग्यता में अभिवृद्धि।
404.3 शोध के सैद्धांतिक पक्ष तथा प्रस्तुतिकरण की समझ।
404.4 शोध करने की योग्यता में अभिवृद्धि

परीक्षा के लिए निर्देश

प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक 12 अंकों का होगा। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 24 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -**समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

इकाई- 1 अनुवादः स्वरूप, क्षेत्र और महत्व; अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि; हिंदी में अनुवाद की परंपरा; अनुवादक के गुण; अनुवाद की सीमाएं और समस्याएं

इकाई - 2 साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद और गद्यानुवाद; कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद; जनसंचार माध्यमों का अनुवाद; वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रोद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद; वाणिज्यिक अनुवाद

इकाई - 3 शोध की अवधारणा और स्वरूप; शोध के प्रकार; डिजीटल युग में शोध; शोध और समीक्षा के संबंध; शोध प्रविधि - सर्वेक्षण, सामग्री विश्लेषण, केस स्टडी, समूह चर्चा, द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण, प्रलेख आधारित शोध और पुस्तकालय शोध।

इकाई - 4 शोध समस्या और शोध परिकल्पना; शोध प्रारुपः उद्देश्य, भाग, विशेषताएँ और निर्धारक तत्व; सामग्री संकलन, विश्लेषण और व्याख्या; शोध प्रबंध लेखनः पाद-टिप्पणी, संदर्भ ग्रंथ-सूची।

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ie particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	404.1	3	3	2	3	3	3	3	2	3	3	3
-	404.2	3	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3
	404.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3
	404.4	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3
	Average	3	3	2.5	2.75	3	2.75	3	2.5	2.5	3	3

सहायक पुस्तकें

- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग - नगेंद्र
- अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - श्री गोपीनाथन
- अनुवादः सिद्धांत और समस्याएं - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
- अनुसंधान - डॉ. सत्येंद्र
- अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेंद्र
- शोध-प्रविधि - विनयमोहन शर्मा
-

MAH-405-(i) दलित विमर्श और साहित्य

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

दलित साहित्य व विमर्श से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

405.1 दलित विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचय।

405.2 दलित साहित्य के उद्भव व पृष्ठभूमि का बोध।

405.3 दलित साहित्य की विभिन्न विधाओं के साहित्य का परिचय।

405.4 दलित सौंदर्यशास्त्र की आलोचनात्मक समझ का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित इकाई 1 के पाठ्य विषयों और इकाई 2 व 3 में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई -1. दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप; दलित साहित्य के प्रेरणा पुरुष जोतिबा फुले और डॉ. भीमराव आंबेडकर; दलित आंदोलन का भारतीय परिप्रेक्ष्य; दलित साहित्य की वैचारिकी; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र; दलित साहित्य की प्रवृतियां; दलित साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षर।

इकाई - 2. **आत्मकथा -** मुर्दहिया - तुलसीराम

इकाई - 3. **कहानी -** ओमप्रकाश वाल्मीकि - पच्चीस चौका डेढ़ सौ; मोहनदास नैमिशराय - अपना गांव; जयप्रकाश कर्दम - नो बार; सूरजपाल चौहान - साज़िश; श्योराज सिंह 'बेचैन'- अस्थियों के अक्षर; रत्न कुमार सांभरिया - फुलवा (संदर्भ पुस्तकः दलित कहानी संचयन – सं. रमणिका गुप्ता, साहित्य अकादमी, दिल्ली)

(ख) व्याख्या के लिए

कविताएं - एक पूरी उम्र, मैं आदमी नहीं हूं (मलखान सिंह); ठाकुर का कुंआ, बस्स बहुत हो चुका (ओमप्रकाश वाल्मीकि); लालटेन (जयप्रकाश कर्दम); लड़की ने डरना छोड़ दिया (श्योराज सिंह बेचैन); सफदर हाश्मी की याद में (मोहनदास नैमिशराय); ओ वाल्मीकि, सुनो विक्रम (सुशीला टाकभौरे); औरत औरत में अंतर है, नाचीज (रजनी तिलक); सूरज के हकदार हो तुम, हत्यारा, (मुकेश मानस)। (संदर्भ पुस्तक - दलित निर्वाचित कविताएं - कंवल भारती)

(ग) द्रुत पाठ के लिए

(अछूतानंद, माताप्रसाद, डा. धर्मवीर, कंवल भारती, सूरजपाल चौहान, कैलाश चौहान, अनीता भारती, टेकचंद, रजनी अनुरागी, पूनम तुषामड़**)**

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	405.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3
-	405.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
)	405.3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	405.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	3	3	2.5	2.75	3	3	2.75	2.5

सहायक पुस्तकें

- दलित निर्वाचित कविताएं - कंवल भारती
- दलित कहानी संचयन - सं. रमणिका गुप्ता
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि
- दलित साहित्यः एक अन्तर्यात्रा - बंजरंग बिहारी तिवारी
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरणकुमार लिम्बाले
- दलित आत्मकथाएं अनुभव से चिन्तन - डॉ. सुभाष चन्द्र
- दलित कविता का संघर्ष - कंवल भारती
- दलित मुक्ति आन्दोलनः सीमाएं और संभावनाएं - डॉ. सुभाष चन्द्र
- जाति समाज में पितृसत्ता - उमा चक्रवर्ती
- दलित विमर्श की भूमिका - कंवल भारती
- आधुनिकता के आइने में दलित - सं. अभय दुबे
- दलित दृष्टि - गेल ओमवेट
- दलित विमर्श की भूमिका - कंवल भारती
- अम्बेड़करवादी विचारधारा इतिहास और दर्शन - सं. वेद प्रकाश
- अंबेड़करवादी साहित्य की अवधारणा - तेज सिंह
- उत्तर अम्बेडकर दलित आन्दोलनः दशा और दिशा - आनंद तेलतुमड़े
- बहुजन वैचारिकी, तुलसीराम विशेषांक

- हंस, दलित विशेषांक

MAH-405-(ii)- स्त्री विमर्श और साहित्य

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

स्त्री साहित्य व विमर्श से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

405.1 स्त्री विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचय।

405.2 स्त्री साहित्य के उद्भव व पृष्ठभूमि का बोध।

405.3 स्त्री साहित्य की विभिन्न विधाओं के साहित्य का परिचय।

405.4 स्त्री साहित्य के सौंदर्यशास्त्र की आलोचनात्मक समझ का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से दो पाठांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **पाठ बोध** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से एक पाठांश व उस पर आधारित चार प्रश्न दिये जाएंगे। परीक्षार्थी को पाठ के आधार पर उनके उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित इकाई 1 के पाठ्य विषयों और इकाई 2 व 3 में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई -1. स्त्री विमर्श - स्वरूप व परिभाषा; स्त्री विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि; स्त्री विमर्श का विकास; स्त्री विमर्श की साहित्यिक स्थापनाएं; स्त्री विमर्श की विभिन्न चिंतन धाराएं; स्त्री साहित्य लेखन की प्रवृतियां; हिंदी की प्रमुख स्त्री लेखिकाएं

इकाई - 2 **आत्मकथा -** शिकंजे का दर्द - सुशीला टाकभौरे

इकाई - 3 **उपन्यास -** महाभोज - मन्नू भंडारी

(ख) व्याख्या के लिए

कविताएं - कात्यायनी - सात भाइयों के बीच चंपा (आरंभिक 18 कविताएं, 'स्त्री से डरो' भाग)

(ग) पाठ बोध के लिए

महादेवी वर्मा - स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न; हिंदू स्त्री का पत्नीत्व (शृंखला की कड़ियां)

(घ) द्रुत पाठ के लिए

(कृष्णा सोबती, चित्रा मुद्गल, निर्मला जैन, मृदुला गर्ग, मृणाल पाण्डेय, नासिरा शर्मा, प्रभा खेतान, अनामिका)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	405.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3
-	405.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
i)	405.3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	405.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.5	3	3	2.5	2.75	3	3	2.75	2.5

सहायक पुस्तकें

- दोहरा अभिशाप - कौशल्या बैसंत्री
- सेज पर संस्कृत - मधु कांकरिया
- सात भाइयों के बीच चंपा - कात्यायनी
- शृंखला की कड़िया - महादेवी वर्मा
- स्त्री उपेक्षिता (अनु.-प्रभा खेतान) - सीमोन द बोउआ
- ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ - सुधा सिंह
- उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान
- आदमी की निगाह में औरत - राजेंद्र यादव
- स्त्री पराधीनता - जॉन स्टुअर्ट मिल
- कविता में औरत - अनामिका
- इतिहास में स्त्री - सुमन राजे
- नारीवादी राजनीतिः संघर्ष और मुद्दे, सं. साधना आर्य
- स्त्री अस्मिताः साहित्य और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी व सुधा सिंह
- स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी
- स्त्री मुक्ति का सपना - अरविंद जैन व लीलाधर मंडलोई
- भारत में विवाह संस्था का इतिहास - विश्वनाथ काशीनाथ राजवाड़े
- स्त्री-पुरुष संबंधों का रोमांचकारी इतिहास - मन्मथनाथ गुप्त
- हिन्दू स्त्री का जीवन - प.रमाबाई (अनु. शंभू जोशी)
- प्राचीन भारत में नारी - डॉ. उर्मिला प्रकाश मिश्र

MAH-405-(iii)-आदिवासी विमर्श और साहित्य

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आदिवासी साहित्य व विमर्श से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

405.1 आदिवासी विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचय।

405.2 आदिवासी साहित्य के उद्भव व पृष्ठभूमि का बोध।

405.3 आदिवासी साहित्य की विभिन्न विधाओं के साहित्य का परिचय।

405.4 आदिवासी साहित्य के सौंदर्यशास्त्र की आलोचनात्मक समझ का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न :** पाठ्यक्रम में निर्धारित इकाई 1 के पाठ्य विषयों और इकाई 2 व 3 में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न :** द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ :** समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश -** नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई -1. आदिवासी विमर्श – अर्थ व स्वरूप; आदिवासी विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि; आदिवासी आंदोलन; साम्राज्यवाद और आदिवासी प्रतिरोध; आदिवासियों संबंधी कानून; आदिवासी विमर्श की साहित्यिक स्थापनाएं; आदिवासी विमर्श का विकास; आदिवासी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां; आदिवासी विमर्श और जल, जंगल, जमीन के मुद्दे।

इकाई - 2. **उपन्यास** - धूणी तपे तीर - हरिराम मीणा

इकाई - 3. **नाटक** - सूर्योदय - रोज केरकट्टा

(ख) व्याख्या के लिए

कविता - निर्मला पुतुल - नगाड़े की तरह बजते शब्द

(ग) द्रुत पाठ के लिए

(रमणिका गुप्ता, वंदना टेटे, एलिस एक्का, महादेव टोप्पो, रणेंद्र, अनुज लुगुन)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ıe particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	405.1	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3	3
-	405.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	405.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	405.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	2.75	2.75	3	3	2.5	2.75	3	3	2.75	2.5

सहायक पुस्तकें

- भारतीय साहित्य और आदिवासी विमर्श - माधव सोनटक्के, संजय राठोड़
- आदिवासी साहित्यः परंपरा और प्रयोग - वंदना टेटे
- आदिवासी विकासः एक सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा
- आदिवासी भाषा और साहित्य - सं. रणणिका गुप्ता
- आदिवासी साहित्य यात्रा - रमणिका गुप्ता
- आदिवासी संघर्ष गाथा - विनोद कुमार
- हिंदी में आदिवासी साहित्य - इसपाक अली
- आदिवासी कथा - महाश्वेता देवी
- शौर्य और विद्रोह - सं. रमणिका गुप्ता
- साम्राज्यवाद और आदिवासी प्रतिरोध - रेतपथ (विशेष प्रस्तुति)

MAH-405-(iv)-लोक साहित्य

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हरियाणा के लोक साहित्य व विमर्श से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

405.1 लोक साहित्य की अवधारणा की समझ।

405.2 लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ।

405.3 हरियाणा के लोक साहित्य व लोककवियों से परिचय।

405.4 हरियाणा की लोक संस्कृति व साहित्य की आलोचनात्मक समझ में अभिवृद्धि।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : निर्धारित पाठ्यक्रम से छः प्रश्न दिये जाएगा। परीक्षार्थी को तीन का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश** - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

- लोक साहित्य की अवधारणा, लोक संस्कृति की अवधारणा व विशेषताएं, लोक साहित्य अध्ययन का इतिहास, हिंदी भाषा व साहित्य में लोक साहित्य का योगदान, हरियाणा की लोक संस्कृति और लोक साहित्य।
- लोक नाट्य - (स्वांग का स्वरूप और विकास, हरियाणा के प्रमुख लोकनाट्यकार)
- लोकगाथा - स्वरूप और विशेषताएं, लोकगाथाएं (ढोला मारू, नल-दमयंती, गोपीचंद-भरथरी)
- लोकगीत - स्वरूप और विशेषताएं, लोकगीत के प्रकार (संस्कारगीत, श्रमगीत, व्रतगीत, ऋतुगीत)
- लोक कथा - स्वरूप और विशेषताएं, हरियाणा की लोककथाओं में लोकजीवन
- रागनी - उद्भव और विकास, समकालीन रागनी की विशेषताएं।
- हरियाणा की बोलियां, मुहावरे, लोकोक्तियां, पहेलियां।

(ख) व्याख्या के लिए

स्वांग - लख्मीचंद - पदमावत, संदर्भ पुस्तक - पं. लख्मीचंद ग्रंथावली- पूर्णचंद (रागनी संख्या 1, 6, 12, 14, 37, 38, 44, 46, 47, 52, 54, 57,)

लोकगाथा - (स्वांग गूगे राजपूत बागड़ देस का - आर. सी. टेम्पल संकलित)

रागनियां - बेरा ना कद दर्शन होंगे पिया मिलन की लागरही आस (बाजे भगत), लाख चौरासी जीया जून में नाचे दुनिया सारी (लखमीचंद), वा राजा की राजकुमारी मैं सिर्फ लंगोटे आळा सूं (प. मांगेराम), मेरा जोबन, तन, मन बिघन करेस कुछ जतन बणा मेरी सास (राय धनपत सिंह), पहले आळी बात पुराणे

ख्याल बदलणे होंगे (दयाचंद मायना), जब इकतालीस के सन म्हं सिंगापुर की त्यारी होग्यी (फौजी मेहरसिंह), मात पिता के मरें बाद आंसू टपकाकै के होगा (ज्ञानीराम शास्त्री), कह रहा मनियारा हो कोई चूड़ी पहरण वाली (रामकिशन ब्यास), सन् 37 मैं हिंद देख का बच्चा बच्चा तंग होग्या (हरिकेश पटवारी), पोह का म्हिना रात अंधेरी, पड़ै जोर का पाळा (रणबीर सिंह दहिया)

(ग) द्रुत पाठ के लिए

(सादुल्ला खान, बाजेभगत, पं. मांगेराम, मेहर सिंह, दयाचंद, धनपत सिंह, रामकिशन ब्यास, आर सी टेम्पल, भिखारी ठाकुर, ईश्वरी (ईसुरी), देवेंद्र सत्यार्थी)

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ılar Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) ıe particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ılar Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	405.1	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
-	405.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
	405.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	405.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.75	2.75	3	2.5	2.75	3	3	2.75	2.5

सहायक पुस्तकें

- लोक साहित्य विज्ञान - सत्येंद्र
- लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक - सं. पीयूष दहिया
- लोक साहित्य की भूमिका - डा. धीरेंद्र वर्मा
- हरियाणा का लोक साहित्य - लालचंद गुप्त मंगल
- लोक नाट्य सांगः कल और आज - पूर्णचंद शर्मा
- हरियाणा की उपभाषाएं - साधुराम शारदा
- हरियाणा लोक साहित्य संचयन - सुभाष चंद्र
- हरियाणवी लोक कथाएं - शंकरलाल यादव
- भारतीय लोक साहित्य - श्याम परमार
- हरियाना का लोक साहित्य - शंकरलाल यादव
- हरियाणवी लोकधाराः प्रतिनिधि रागनियां - सुभाष चंद्र
- देसहरियाणा (अंक 26, लोक आख्यान विशेषांक)
- हरियाणवी - रामनिवास मानव

MAH-405-(v)-विश्व साहित्य (हिंदी में अनुदित)

क्रेडिट - 4 **कुल अंक 100**

समय 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

विश्व साहित्य की जानकारी के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

405.1 विश्व साहित्य की अवधारणा की समझ।

405.2 विश्व साहित्य की विभिन्न विधाओं के साहित्य से परिचय।

405.3 भारतीय साहित्य के साथ तुलना की समझ।

405.4 विश्व साहित्य की आलोचनात्मक समझ में अभिवृद्धि।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** : पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** : पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक रचना से आंतरिक विकल्प सहित रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित एक-एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को आलोचनात्मक ढंग से उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित 7 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ** : समस्त पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक 1 अंक का होगा। यह खंड कुल 8 अंक का होगा।
- **विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश** - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सके।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

उपन्यास - मां - मक्सिम गोर्की

चिंतन - **अपना कमरा - वर्जीनिया वुल्फ (अनु. गोपाल प्रधान)**

कहानियां - पोस्ट मास्टर (पुश्किन); एक लंबा निर्वासन (लियो टालस्टॉय); एक शर्त (एन्तान चेखव); दिल की आवाज (एडगर एलन पो); दूसरे देश में (अर्नैस्ट हेमिंग्वे); वारिस (थॉमस हार्डी); अंधों के देश में (एच. जी. वेल्स); रहस्यमय हवेली (होनोर डि बाल्जाक़); अतीत बाधा (गाइ द. मोपासा); मोहभंग (टॉमस मान); कस्बे का डॉक्टर (फ्रेंज काफ्का); छोटा सा रहस्य (ऑस्कर वाइल्ड)
(संदर्भ पुस्तक - विश्व के अमर कथाकार - अनुवाद अनुराधा महेंद्र, आधार

प्रकाशन, पंचकुला)

(ख) व्याख्या के लिए

कविताएं - पाब्लो नेरूदा की कविताएं (चंद्रबली सिंह का अनुवाद)

(ग) द्रुत पाठ के लिए

शेक्सपियर, बर्नाड़ शॉ, टाल्सटॉय, वाल्ट विट्मैन, लुशून, चिनुआ अचीबे, विस्लावा शिम्बोर्स्का , माया एंजेलो, रिल्के, महमूद दरवेश, हबीब जालिब।

orrelation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the ular Programme outcome	1
m correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) he particular Programme outcome	2
correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the ular Programme outcome	3

e	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5
	405.1	3	3	2	3	3	3	2	3	3	3	3
-	405.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
)	405.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	405.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	2.75	2.75	3	2.5	2.75	3	3	2.75	2.5

सहायक पुस्तकें

- विश्व के अमर कथाकार - अनुवाद अनुराधा महेंद्र
- हिम्मतमाई (अनु. नीलाभ) - ब्रेख्त
- प्रेमचंद और गोर्की - शची रानी गुर्टू
- विश्व साहित्य की रूपरेखा - भगवतशरण उपाध्याय
- उपन्यास और जन समुदाय (अनु.-नरोत्तम नागर) - रॉल्फ फाक्स
- विश्व साहित्य के क्लासिक उपन्यास - जंगबहादुर गोयल
- उद्भावना-अंक 70 (पाब्लो नेरूदा विशेषांक) - सं. विष्णु खरे
- रिल्के से राइषर्ट तक - अमृत मेहता

PSO (Programme Specific Outcome	PSO-1.	भाषा के सामान्य सिद्धांतों व हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग का ज्ञान।
	PSO-2.	साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक, संवेदनशील दृष्टि व व्यक्तित्व का विकास।
	PSO-3.	हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं व परंपराओं की समझ विकसित होगी। विभिन्न युगों, धाराओं व रचनाकारों के साहित्य की विशिष्टताओं की समझ बढ़ेगी। समकालीन साहित्य के विविध रूपों, आंदोलनों, विमर्शों के माध्यम से अपने युग का बोध।

s)	PSO-4. साहित्य की विभिन्न विधाओं तथा जनसंचार के माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन की क्षमता में अभिवृद्धि। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा। PSO-5. जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान। PSO-6. भारतीय समाज और सांस्कृतिक जीवन के विभिन्न पक्षों में अन्तर्निहित एकता के तत्वों का परिचय व पहचान होगी। देश व समाज की एकता-अंखडता की भावना का विकास। साहित्य के माध्यम से मानवता के सार्वभौम तत्वों की पहचान।
PEO (Programme Educational Objectives)	पाठ्यक्रम में प्रत्येक कोर्स के साथ उसके **उद्देश्य व अपेक्षित परिणाम दिए गए हैं।**

PO (Programme Outcomes)

PO1	Depth and Breadth of Knowledge	A systematic understanding of knowledge within the discipline and in related discipline/s, and a critical awareness of current problems and/or new insights informed by the forefront of their academic discipline.
PO2	Research and scholarship	a) A working comprehension of how established techniques of research and inquiry are used to create and interpret knowledge in the discipline. b) A treatment of complex issues and judgments based on established principles and techniques.
PO3	Level of application of knowledge	Competence in applying an existing body of knowledge in the critical analysis of a new question or of a specific problem or issue.
PO4	Awareness of limits of knowledge	Cognizance of the complexity of knowledge and of the potential contributions of other interpretations, methods, and disciplines
PO5	Professional capacity/autonomy	Acquiring and showing qualities and transferable skills necessary for employment: exercise of initiative, personal responsibility, intellectual independence, ethical behavior and academic integrity.
PO6	Level of Communication Skills	Ability to communicate effectively in presenting ideas orally and in writing (oral communication; written communication).

Time Table

हिंदी विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(राज्य विधायिका अधिनियम 12, 1956 के अधीन स्थापित(

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रदत्त)

एम.ए. समेस्टर-II & IV के लिए समय सारणी, दिनांक 01.04.2022 से प्रभावी

10.00 से 11.00 बजे तक		**11.00 से 12.00 बजे तक**			**12.00 से 1.00**
एम.ए □(प्रथम वर्ष)	**एम.ए □(द्वितीय)**	**एम.ए □(प्रथम वर्ष)**	**एम.ए □(द्वितीय)**	**पी.एचडी कोर्स वर्क**	**एम.ए □(द्वितीय)**
MAH-204-	पेपर - 402	MAH-202 छाया-वादोत्तर	पेपर -404 अनुवाद	शोध एवं	MAH - 405

था जीवनी, ा और संस्मरण जसबीर सिंह		हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार- श्री ब्रजपाल	हिंदी निबंध और आलोचना - डॉ. पुष्पा रानी	हिंदी कविता- प्रो. सुभाष चन्द्र	और शोध प्रविधि - श्री विकास कुमार	प्रकाशन आचार - प्रो. सुभाष चन्द्र	(i) दलित विमर्श और साहित्य - श्री विकास कुमार (ii) स्त्री विमर्श और साहित्य - पुष्पा रानी/ सुश्री अंजू (iii) आदिवासी विमर्श और साहित्य - श्री ब्रजपाल (iv) लोक साहित्य - सुश्री अंजू (सोम-मंगल) श्री कपिल शर्मा (वीर-शुक्र) (v) विश्व साहित्य - डा. जसबीर सिंह	प्रकाशन आचार - प्रो. सुभाष चन्द्र
03- हिंदी: था जीवनी, ा और संस्मरण जसबीर सिंह		MAH-204- हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार- श्री ब्रजपाल	पेपर - 402 हिंदी निबंध और आलोचना - डॉ. पुष्पा रानी	MAH-202 छायावादोत्तर हिंदी कविता- प्रो. सुभाष चन्द्र	पेपर -404 अनुवाद और शोध प्रविधि - श्री विकास कुमार	शोध एवं प्रकाशन आचार - प्रो. सुभाष चन्द्र		
03- हिंदी: था जीवनी, ा और संस्मरण जसबीर सिंह		MAH-203-हिंदी नाटक- डा. जसबीर सिंह	पेपर - 401 पाश्चात्य साहित्य-शास्त्र - श्री ब्रजपाल	MAH-202 छायावादोत्तर हिंदी कविता- प्रो. सुभाष चन्द्र	पेपर -404 अनुवाद और शोध प्रविधि - श्री विकास कुमार	---		आधुनिक हिंदी गद्य का विशेष अध्ययन - प्रो. सुभाष चन्द्र
03- हिंदी: था जीवनी, ा और संस्मरण जसबीर सिंह		MAH-203-हिंदी नाटक- डा. जसबीर सिंह	पेपर - 401 पाश्चात्य साहित्य-शास्त्र - श्री ब्रजपाल	MAH-202 छायावादोत्तर हिंदी कविता- प्रो. सुभाष चन्द्र	पेपर -404 अनुवाद और शोध प्रविधि - श्री विकास कुमार	---		
02, हिंदी निबंध ालोचना - डॉ. नी		MAH-203-हिंदी नाटक- डा. जसबीर सिंह	पेपर - 401 पाश्चात्य साहित्य-शास्त्र - श्री ब्रजपाल	MAH-205- वैकल्पिक- (v) मोहन राकेश- डा. जसबीर सिंह	---	---	---	
02, हिंदी निबंध ालोचना - डॉ. नी		MAH-203-हिंदी नाटक- डा. जसबीर सिंह	पेपर - 401 पाश्चात्य साहित्य-शास्त्र - श्री ब्रजपाल	MAH-205- वैकल्पिक- (v) मोहन राकेश- डा. जसबीर सिंह				

Facilities	